December 2015

WK	S	M	T	W	T	F	S
49			1	2	3	4	5
50	6	7	8	9	10	11	12
51	13	14	15	16	17	18	19
52	20	21	22	23	24	25	26
53	27	28	29	30	31		

January 2016

WK	S	M	T	W	T	F	S
01	31					1	2
02	3	4	5	6	7	8	9
03	10	11	12	13	14	15	16
04	17	18	19	20	21	22	23
05	24	25	26	27	28	29	30

B.A – part – III

Sub – Pol. science

paper – VI (Political Thought)

Topic – 'मॉण्टेस्क्यू की पद्धति'
(Montesque's Method)

Dr. Dhananjay Jha.
Asst. Prof. Guest faculty/part time
Deptt. of Pol. science
L. S. College, Muzaffarpur.
M – 8210688019.

⟹ अठारहवीं शताब्दी के मध्य में प्रसिद्ध फ्रांसीसी विचारक मॉण्टेस्क्यू ने यह विचार रखा कि राज्य की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए सामाजिक अनुबन्ध के सिद्धान्त का सहारा लेना ऐतिहासिक दृष्टि से निरर्थक और निराधार होगा। उसने तर्क दिया कि राज्य कोई मानव निर्मित यांत्रिक उपकरण नहीं है बल्कि यह मनुष्य के सामाजिक जीवन की एक अभिव्यक्ति मात्र है जिसे उसकी अन्य सामाजिक गतिविधियों से पृथक करके नहीं देखा जा सकता।

03 SUNDAY

⟹ मॉण्टेस्क्यू उन आरंभिक विचारकों में से था जिन्होंने समाजविज्ञान/समाजशास्त्र (Sociology), ऐतिहासिक अनुसन्धान (Historical research), तुलनात्मक राजनीति एवं विधि सिद्धान्त (Comparative theory of politics and law) के विकास की आधार भूमि तैयार की। यहाँ तक कि इसे तत्कालीन राजनीतिक समाज विज्ञान (Political Sociology) और सांस्कृतिक मानव विज्ञान (Cultural Anthropology) के अग्रदूत के रूप में याद किया जाता है।

January 2016

WK	S	M	T	W	T	F	S
01	31					1	2
02	3	4	5	6	7	8	9
03	10	11	12	13	14	15	16
04	17	18	19	20	21	22	23
05	24	25	26	27	28	29	30

February 2016

WK	S	M	T	W	T	F	S
06		1	2	3	4	5	6
07	7	8	9	10	11	12	13
08	14	15	16	17	18	19	20
09	21	22	23	24	25	26	27
10	28	29	•	•	•		

मॉण्टेस्क्यू (Montesquieu)

मॉन्टेस्क्यू की पद्धति :⟹

(1) ऐतिहासिक पद्धति (Historical Method)

(2) तुलनात्मक पद्धति (Comparative Method)

(3) आगमनात्मक पद्धति के सदृश (Inductive Method).

(4) अनुभवमूलक दृष्टिकोण

⟹ 'स्पिरिट ऑफ लॉज' के मुख्य विचारों की समीक्षा करने से पूर्व मॉण्टेस्क्यू की पद्धति को समझ लेना आवश्यक प्रतीत होता है। ऐसा करना इसलिए भी आवश्यक हो जाता है क्योंकि कभी-कभी यह कहा जाता है कि मॉण्टेस्क्यू की मुख्य देन पद्धति के क्षेत्र में है, सिद्धान्त के क्षेत्र में नहीं। सामाजिक विज्ञानों की पद्धति के विकास पर उसका जो प्रभाव पड़ा है, वह राजनीतिक सिद्धान्त को उसकी देन से कहीं अधिक महत्वपूर्ण दिखलाई पड़ता है।

⟹ इस सम्बन्ध में ही जोन्स का कहना है कि मॉण्टेस्क्यू का विशेष महत्व राजनीतिक सिद्धान्तों में नई देन के कारण उतना नहीं है, जितना राजनीतिक और सामाजिक अध्ययन के पद्धति-शास्त्र (Methodology) का विकास करने में है।

⟹ उसकी पद्धति के स्वरूप का निर्णय हम 'पर्शियन लेटर्स' में मॉण्टेस्क्यू के ही इस कथन से कर सकते हैं कि - "मैंने इस बात के ऊपर प्रायः विचार किया है कि सरकार के विभिन्न रूपों में कौन

सामान्य बुद्धि के सबसे अधिक अनुकूल है, तो मुझे यह प्रतीत होता है कि सर्वश्रेष्ठ सरकार वह होती है जो कि जनता की स्वाभाविक प्रवृत्तियों के अधिकाधिक अनुकूल उसका पथ-प्रदर्शन करे।

⟹ उक्त कथन का स्पष्ट अर्थ यह है कि मॉण्टेस्क्यू सरकार की किसी ऐसी अमूर्त योजना की रचना में विश्वास नहीं करता जो कि समान देश और काल के लिए अनुकूल हो। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि वह उस पद्धति को तिलांजली देता है या उस पद्धति का तिरस्कार करता है जो कि प्लेटो, हॉब्स तथा रूसो सरीखे विचारकों ने अपनायी थी जो मानव-स्वभाव (Human nature) के विषय में कुछ मान्यताओं को लेकर चलते हैं और इनके ऊपर एक आदर्श राज्य का ढांचा खड़ा करते हैं।

⟹ मॉण्टेस्क्यू की प्रसिद्ध कृति द स्पिरिट ऑफ लॉज (The Spirit of Laws) की अभूतपूर्व सफलता का एक प्रधान कारण उसकी यह पद्धति ही थी जो समकालीन लेखकों से सर्वथा भिन्न थी।

⟹ मॉण्टेस्क्यू ने अनुभवमूलक दृष्टिकोण तथा निरीक्षण पर आधारित वैज्ञानिक ऐतिहासिक पद्धति (Scientific Historical Method) को अपनाया। वह ऐतिहासिक घटनाओं के विश्लेषण के आधार निष्कर्ष निकाल कर इतिहास से उनको पुष्ट करता था। उसने राजनीतिक प्रश्नों (Political questions) का निरपेक्ष राजनीतिक सिद्धान्तों के आधार पर नहीं, बल्कि वास्तविक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विवेचन किया। उसने वैज्ञानिक अनुशीलन द्वारा अपने मार्गों को पुष्ट किया और तुलनात्मक पद्धति द्वारा अपने/उनके अपेक्षित महत्व का पता लगाया।

January 2016

WK	S	M	T	W	T	F	S
01	31					1	2
02	3	4	5	6	7	8	9
03	10	11	12	13	14	15	16
04	17	18	19	20	21	22	23
05	24	25	26	27	28	29	30

February 2016

WK	S	M	T	W	T	F	S
06		1	2	3	4	5	6
07	7	8	9	10	11	12	13
08	14	15	16	17	18	19	20
09	21	22	23	24	25	26	27
10	28	29	*	*	*		

⟹ मॉण्टेस्क्यू समकालीन प्रवाह के प्रतिकूल अरस्तू का अनुसरण करते हुए प्राचीन और समकालीन समाज/मानव समाज के इतिहास के अध्ययन और अनुभव के नींव पर अपने राजनीतिक सिद्धान्तों का महल खड़ा करने को प्रयत्नशील हुआ था। इसीलिए उसका अध्ययन करने तथा उनके स्वरूप और विकास को समझने की उचित पद्धति तुलनात्मक ऐतिहासिक पद्धति है, जिस प्रकार का प्रयोग अरस्तू और एक हद तक मैकियावेली एवं बोदां ने किया था।

⟹ इसका सारांश हमें डनिंग की उक्ति में परिलक्षित होता हुआ दिखाई पड़ता है। राजनीतिक समस्याओं के समाधान की दृष्टि से उसकी पद्धति अरस्तू की है प्लेटो, हॉब्स, लॉक या रूसो की नहीं। वाइको ने भी ऐतिहासिक अथवा तुलनात्मक पद्धति को अपनाया था। उसकी पुस्तक न्यू साइन्स मॉण्टेस्क्यू के अध्ययनागार में सुशोभित थी।

⟹ अरस्तू की लुप्तप्राय पद्धति को पुनर्जीवित करने के कारण ही मॉण्टेस्क्यू को 18 वीं शताब्दी का अरस्तू कहा जाता है। रोमन इतिहास और ब्रिटिश संविधान ऐसे दो मुख्य तत्व थे जिन्होंने उसके राजदर्शन के सामान्य स्वरूप को निर्धारित किया।

⟹ जिस प्रकार न्यूटन गैलीलियो जैसे भौतिकशास्त्रियों का यह विश्वास था कि प्राकृतिक जगत में दिखलाई पड़ने वाली विभिन्नता तथा विविधता के मूल में एक निश्चित एकता है जो कि प्रकृति को एक व्यवस्थित तथा क्रमबद्ध इकाई बनाती है और इसीलिए वह ज्ञेय है, ठीक उसी प्रकार मॉण्टेस्क्यू का यह विचार था कि मानव परम्पराओं तथा संस्थाओं में इसकी विभिन्नता और विविधता के मूल में कुछ निश्चित सार्वभौमिक सिद्धान्त तथा आचरण के सामान्य आदर्श

Your present circumstances don't determine where you can go; they merely determine where you start.

Important Works | Important Calls | Important Meetings

पाए जाते हैं और उन्हें जाना जा सकता है।